अस्पताल के रेडियोग्राफरों के स्वास्थ्य की 1 माह की कीमत 50 रुपए मानता है स्वास्थ्य विभाग

27 वर्षीय आफरीन का चेस्ट एक्स-रे हो रहा है।

आगे क्या- उम्मीद है कुछ दिन में आफरीन ठीक हो जाएगी

जिला अस्पताल में रोज होते है 250 एक्स-रे- जिला अस्पताल में रोज करीब 250 एक्स-रे किए जाते है। अस्पताल स्टाफ में दो टेक्नीशियन अलग-अलग समय पर यह काम करते हैं।

प्रदेशभर के इन कर्मचारियों की हो चुकी है मौत

नाम पद कार्यस्थल बीमारी
मो. जहूर खान रेडियोग्राफर जिला अस्पताल रतलाम ब्लड कैंसर

फारूक अहमद रेडियोग्राफर जिला अस्पताल देवास फेफड़े का कैंसर

आरएस रघुवंशी रेडियोग्राफर प्रा. स्वा. केंद्र, नरसिंहपुर ब्लड कैंसर

राजेंद्र प्रसाद तिवारी रेडियोग्राफर डिंडोरी लिंफोला

डॉ. ललित बड़जात्या चिकित्सक जिला अस्पताल, इंदौर सावन्युरोमा

स्नेहलता शडोनकर स्टॉफ नर्स केंसर अस्पाल, इंदौर स्तन कैंसर

रामचंद्र कुंजीलाल डार्क रूम अटेंडेंट केंसर अस्पताल, इंदौर ब्लड कैंसर

गोदावरी पंडित स्वास्थ्यकर्मी केंसर अस्पताल, इंदौर हम्जकिंग लिम्फोमा

ताराबाई बाबूलाल आयाबाई कैंसर अस्पताल, इंदौर लीवर कैंसर

ब्रजलाल वार्डबॉय कैंसर अस्पताल, इंदौर आहार नली, कैंसर

विकिरणों से बचाने के लिए यह इंतजाम जरूरी
होना चाहिए - एक्स-रे यूनिट के दरवाजे पर लेड शीट।

स्थिति - अभी यह शीट नहीं है।

25 साल पहले तय हुआ जीवन जोखिम भत्ता-लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भोपाल द्वारा विकिरण जनित रोग होने के कारण कर्मचारियों के लिए जीवन जोखिम भत्ता **50** रुपए **1994** में स्वीकृत किया था।

एक्स-रे करने वाले जफर खान नजर आ रहे हैं।

आगे क्या- शंका है कि क्या वे स्वस्थ ही रहेंगे।

कारण- लगातार रेडिएशन क्षेत्र के संपर्क में रहने पर बीमार होने का खतरा है

ऐसा इसलिए- कैंसर, किडनी खराब होना, लीवर खराब होना, हृदघात, नपुंसकता, स्किन की बीमारियां, हार्मोन से होनी वाली बीमारियां, गर्भस्थ शिशु के अंगों में असर, बांझपन आदि रेडियेशन से होती है। इनमें से कुछ बीमारियां ऐसी हैं जिनका असर **10** से **15** साल बाद दिखना शुरू होता है। गर्भवती का एक्स-रे नहीं करवाना चाहिए क्योंकि ये विकिरण भ्रूण के लिए कैंसर कारक होती है। डॉक्टर गर्भवती महिलाओं की अल्ट्रासाउंड करवाते हैं।

होना चाहिए - एक्स-रे यूनिट की दीवार की मोटाई नौ इंच होना चाहिए।

स्थिति - अस्पताल में लेड प्रोटेक्टेड वॉल है।

होना चाहिए - सभी उपकरण का रखरखाव।

स्थिति -

समय पर होता है।

जानिए... क्या कहते हैं जिला अस्पताल में **42** साल से एक्स-रे करने वाले सीनियर रेडियोग्राफर जफर खान जिला अस्पताल के एकमात्र सीनियर रेडियोग्राफर व रेडियेशन सेफ्टी ऑफिसर है। जफर ने बताया **1977** में जब नौकरी लगी थी उस वक्त हमें अहसास था कि रेडिएशन से बीमारी हो सकती है। हम इस काम को सेवा ही मानते हैं। अस्पताल में रोज सुबह **8** से **1** व **5** से **6** बजे तक एक्स-रे रूम या उसके पास रहते हैं। हमारे साथ पहले रेडियोग्राफर जहूर खान थे। उन्हें ब्लड कैंसर हो गया। वह रेडियेशन के कारण ही हुआ। विभाग आज भी महीने का सिर्फ **50** रुपए अलाउंस देता है जो निराशाजनक है। इधर मप्र रेडियोग्राफर्स एसोसिएशन व मप्र रेडियोग्राफर संघ के मुताबिक एक्स-रे विकिरण के कारण प्रदेश में **11** रेडियोग्राफर व पैरामेडिकल स्टाफ की मौत हो चुकी है। इतने ही गंभीर बीमारी का शिकार हो चुके हैं। कर्मचारियों ने इनकी जानकारी पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को दी थी।